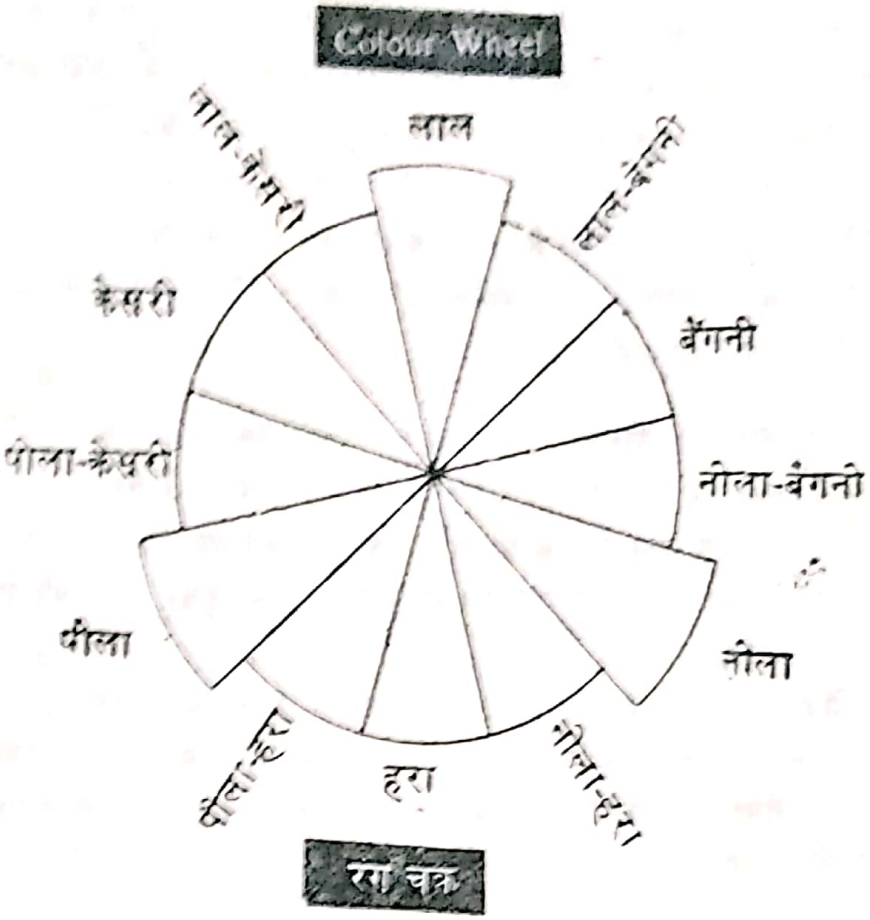

चित्र सं० – २१

एक दूसरे के ठीक सामने के रंग, यथा केसरी और नीला, पीला और बैंगनी, लाल और हरा पूरक रंग (Complementary colour) कहलाते हैं

रंगों में सामंजस्य
(Colour Harmony)

किसी कमरे को सजाने के लिए कुछ विशेष सिद्धांत प्रचलित हैं जिनके आधार पर कमरा सजाकर बनाया जा सकता है। विभिन्न रंग-योजनाएँ निम्नलिखित प्रकार की हैं—

(i) **एक रंगीय योजना** (Mono chromatic Scheme)—इस योजना के अन्तर्गत कमरे के अन्दर प्रयुक्त की जाने वाली रंग-व्यवस्था को एक पूर्ण इकाई में आयोजित किया जाता है। इस योजना में किसी एक रंग के टिण्ट या शेड का भी प्रयोग करते हैं। यानी एक रंग लेकर इसमें सफेद या काला मिलाकर विभिन्न मिलते-जुलते रंग बनाये जाते हैं और एक कमरे की विभिन्न दीवारों, फर्नीचर, फर्श तथा अन्य सजावट सामग्री में उनका प्रयोग किया जाता है। इस तरह की योजना का क्रियान्वयन आसान होता है और कमरा भी बड़ा प्रतीत होता है। इस

Scanned with CamScanner

योजना के अन्तर्गत किसी एक मनपसंद रंग का दीवारों पर अगर प्रयोग करते हैं तो उसका हल्का शेड फर्श पर प्रयोग करना उपयुक्त होगा। फर्नीचर तथा अपहोल्स्ट्री पर उसी रंग के हल्के शेड का प्रयोग करना चाहिए। कभी-कभी इस योजना में पूरे कमरे को एक ही रंग में सजाया जाता है यानी दीवार, फर्श, कालीन, सोफा, पर्दा आदि का एक ही रंग होता है। ऐसा कमरा एक रंग का दिखाई देता है, परन्तु इसमें कभी-कभी उदासीनता भी प्रतीत होती है। इसे One hue या one mode harmony भी कहते हैं।

(ii) **समदर्शी योजना** (Analogous Scheme)—इस प्रकार की रंग-व्यवस्था में किसी एक रंग को आधार का रंग चुन लिया जाता है तथा संपूर्ण कमरे को उसी परिवार के अन्य रंगों से सजाया जाता है। चुने गए प्रथम रंग को प्रमुख रंग मानकर उसका 'टिण्ट' दीवारों पर प्रयोग करते हैं। दूसरे रंग को सहयोगी रंग मानकर उसका कोई शेड फर्श पर, गलीचे, दरी आदि में प्रयोग करते हैं। तीसरे रंग का शेड या टिण्ट परदों तथा फर्नीचर के रंग में प्रयोग किया जाता है। अन्य सजावट-सामग्री में तीनों में से किसी भी रंग के टिण्ट या शेड का प्रयोग कर सकते हैं। समदर्शी रंग-योजना में प्रांग रंगचक्र के किसी भी रंग के समीप वाले रंग का ही व्यवहार किया जाता है; जैसे—

नीला-बैंगनी, नीला, नीला-हरा
नीला-हरा, हरा, पीला-हरा
पीला-हरा, पीला, पीला-केसरी
पीला-केसरी, केसरी, लाल-केसरी
लाल-केसरी, लाल, लाल-बैंगनी
लाल-बैंगनी, बैंगनी, नीला-बैंगनी

(iii) **विपरीत रंग-योजना** (Complementary Colour Scheme)—रंग-चक्र में एक-दूसरे के ठीक सामने के रंग, यथा पीला और बैंगनी, नीला और केसरी, लाल और हरा पूरक रंग (कम्पलीमेन्ट्री) रंग कहलाते हैं। इस रंग-योजना में एक रंग को प्रमुख मानकर उसका टिण्ट या शेड दीवारों पर करें और रंग को सहयोगी मानकर फर्श की दरी एवं गलीचे आदि में उस शेड का प्रयोग करें। पहले रंग का ही टिण्ट या शेड परदे तथा फर्नीचर के कपड़े में प्रयोग करें। अन्य सजावट में दोनों रंगों में से किसी एक रंग के टिण्ट का प्रयोग करें।

प्रधान रंग की सुन्दरता बढ़ाने के लिए परिपूरक गौण रंग का प्रयोग किया जाता है। यदि एक रंग फीका चुना गया है तो दूसरा रंग चटक होना चाहिए।

Scanned with CamScanner

ऐसा नहीं होने से कमरे का प्रभाव फीका पड़ जाता हे। कभी-कभी कमरे में एक भाव लाने के लिए हल्के रंग के साथ हल्का विपरीत रंग तथा गहरे के साथ गहरा परिपूरक रंग का व्यवहार किया जाता है। जैसे—लाल के साथ हरा, पीला के साथ बैंगनी आदि। विपरीत रंग-सामंजस्य निम्नलिखित रंगों को प्रयुक्त कर किया जा सकता है—

लाल-बैंगनी, पीला-हरा
लाल, हरा
केसरी, नीला
लाल-केसरी, नीला-हरा
पीला, बैंगनी
पीला-केसरी, नीला-बैंगनी

(iv) **खंडित विपरीत योजना** (Split Complementary Scheme)—खंडित परिपूरक योजना में कोई एक प्रमुख या कोई भी रंग के परिपूरक रग के दोनों बगल वाले रंग का व्यवहार किया जाता है। इससे खंडित विपरीत रंग-सामंजस्य पैदा होता है। इस योजना में कोई एक रंग चुनकर उसके टिण्ट या शेड को दीवारों पर करें। बाकी दो रंगों में से एक चुनकर उसके शेड को फर्श पर की दरी या गलीचे पर करें। तीसरे रंग का शेड या टिन्ट परदे या अपहोल्स्ट्री में प्रयोग करें। अन्य सजानट में तीनों रंगों में से किसी एक भी टिण्ट का प्रयोग किया जा सकता है। जैसे—

पीला, नीला-बैंगनी, लाल-बैंगनी
लाल, नीला-हरा, पीला-हरा
नीला, लाल-केसरी, पीला-केसरी
हरा, लाल-बैंगनी, लाल-केसरी
पीला-हरा, बैंगनी, लाल
नीला-हरा, लाल, केसरी
पीला-केसरी, बैंगनी, नीला
केसरी, नीला-बैंगनी, नीला-हरा
लाल-केसरी, नीला, हरा
लाल-बैंगनी, हरा, पीला
बैंगनी, पीला-हरा, पीला-केसरी
नीला-बैंगनी, केसरी, पीला

(v) **त्रिकोणीय योजना** (Triad Scheme)—रंग-चक्र में बराबर दूरी के तीन रंगों को चुनकर अगर सजावट की जाती है तब उसे त्रिकोणीय या ट्रायड (Triad) योजना कहते हैं। इस तरह रंग-चक्र में दो त्रिकोणीय योजना प्रमुख हैं।

Scanned with CamScanner

१. प्रमुख त्रिकोणीय रंग-योजना (Primary Triad) तीनों प्रमुख रंगों से बनती है, यथा—पीला, नीला और लाल।

२. द्वितीयक या सेकण्ड्री त्रिकोणीय रंग-योजना (Secondary Triad)—यह सेकण्ड्री या द्वितीयक रंगों के मेल से बनती है; यथा—हरा, बैंगनी और केसरी।

त्रिकोणीय गोजना के उदाहरण—

लाल, पीला, नीला

केसरी, हरा, बैंगनी

लाल-केसरी, नीला-बैंगनी, पीला-हरा

लाल-बैंगनी, नीला-हरा, पीला-केसरी

त्रिकोणीय रंग-योजना में एक रंग को प्रमुख मानकर उसका टिण्ट या शेड दीवारों पर प्रयुक्त करें। गौण रंग का शेड फर्श, तथा तृतीय रंग का शेड या टिण्ट फर्नीचर, परदों तथा अपहोल्स्ट्री में प्रयोग करना ठीक रहता है। अन्य सजावट सामग्री में तीनों रंगों में से किसी एक का टिण्ट या शेड प्रयोग करना चाहिए। इस रंग-योजना में अगर प्राथमिक रंग 'पीला, लाल और नीला' समूह को लें और लाल को प्रमुख रंग मानकर रंग-योजना तैयार करें तो रंगों का प्रभाव गरम होगा। प्राथमिक रंग के नीले को प्रमुख मानकर रंग-योजना तैयार करने पर उसका प्रभाव ठंडा होगा। इस तरह त्रिकोणीय रंग-योजना तैयार करने पर उसका प्रभाव ठंडा होगा। इस तरह त्रिकोणीय रंग-योजना में एक ही समूह के रंगों से अनेक रंग-योजनाएँ बनायी जा सकती हैं।

(vi) **चौरंगी योजना** (Tetrad Scheme)—रंग-चक्र के बराबर दूरी पर के चार रंगों की योजना चौरंगी या टेट्राड (Tetrad) योजना कहलाती है। इस योजना में एक समूह के किसी रंग को प्रमुख मानकर विभिन्न प्रकार से रंग योजना तैयार की जा सकती है। यथा—"पीला, नीला-हरा, बैंगनी, लाल-केसरी" ग्रुप में अगर पीले या लाल-केसरी को प्रमुख रंग मानकर योजना बनाते हैं तो वातावरण में गरम प्रभाव रहेगा। नीला-हरा को प्रमुख रंग मानकर रंग-योजना बनाने से वातावरण ठंडा रहेगा। इस योजना में एक रंग को अधिकतर दीवारों पर करें, बाकी के तीनों रंगों का प्रयोग दरी, कालीन, फर्नीचर, परदे आदि पर करें। चौरंगी योजना के उदाहरण—

हरा, नीला-बैंगनी, लाल, पीला-केसरी

पीला, नीला-हरा, बैंगनी, लाल-केसरी

पीला-हरा, नीला, लाल-बैंगनी, केसरी

(vii) **दोहरी विपरीत रंग-योजना** (Double complementary colour scheme)—दोहरी विपरीत रंग-योजना में दो सहयोगी रंगों के साथ दो विपरीत

Scanned with CamScanner

रंगों को सम्मिलित कर रंग-योजना बनायी जाती है। जैसे—पीला, पीला-केसरी को बैंगनी और नीला-बैंगनी के साथ व्यवहार कर दोहरी विपरीत रंग-योजना बनायी जाती है।

Scanned with CamScanner